

Dr•Manoj Kumar Singh
Assistant Professor
P.G.Deptt.of Psychology
Maharaja College Ara
Date; 8/11/2025
Class: U.G Semester - 3rd
(MJC-3)
Developmental Psychology,
Topic -संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत

संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत उन गतिशील प्रक्रियाओं की व्याख्या करना चाहते हैं जिनके माध्यम से मानव मस्तिष्क विकसित होता है एवं शैशवावस्था से पूरे जीवन काल में बदलता रहता है। अनुभूति का तात्पर्य स्मृति, सोच एवं तर्क, स्थानिक प्रसंस्करण, समस्या समाधान, भाषा और धारणा सहित क्षमताओं से है। संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांतों का उद्देश्य परिवर्तन के तंत्र की व्याख्या करना है, इस प्रकार विकास, न कि केवल विभिन्न आयु के बच्चों, वयस्कों एवं उम्र बढ़ने वाली आबादी के बीच की क्षमताओं का वर्णन करना। यह प्रविष्टि ऐतिहासिक सोच की समीक्षा करती है कि क्या संज्ञानात्मक विकास व्यक्तिगत विशेषताओं या पर्यावरण का परिणाम है और संज्ञानात्मक विकास के वर्तमान मॉडल पर चर्चा करता है। विकास के कुछ प्रमुख सिद्धान्त निम्नलिखित हैं-

- (1) जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त (Jean Piaget's Theory of Cognitive Development)
- (2) वाइगोत्स्की के सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धान्त (Socio-Cultural Theory)

जीन पियाजे का संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त PIAGET'S THEORY OF COGNITIVE (JEAN DEVELOPMENT)

परिचय (Introduction)

जीन पियाजे को संज्ञानात्मक विकास के क्षेत्र में कार्य करने वाले तत्कालीन मनोवैज्ञानिकों में सर्वाधिक प्रभावशाली माना जाता है। पियाजे का जन्म 9 अगस्त सन 1896 में स्विट्जरलैंड में हुआ था। बाइस वर्ष की आयु में उन्होंने जन्तु विज्ञान में पी.एच.डी की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने जन्तुविज्ञान के क्षेत्र में अनेक लेख भी प्रकाशित किए। तत्पश्चात् उन्होंने जीवविज्ञान तथा ज्ञान प्राप्ति की प्रक्रिया के मध्य सम्बन्ध खोजने का प्रयास किया। मनोविज्ञान के शिक्षण के दौरान उन्होंने अल्फ्रेड बिनो के निर्देशन में फ्रेंच स्कूल के बालकों के बुद्धि परीक्षण का कार्य भी किया। वे बालकों के द्वारा बौद्धिक प्रश्नों पर दिए जाने वाले गलत उत्तरों से अत्यधिक विचलित हुए तथा उन्होंने विभिन्न आयु के बालकों के द्वारा अपने चारों ओर के बाह्य जगत का ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया का अध्ययन करना प्रारम्भ कर दिया। उन्होंने अपने तीनों बालकों के मानसिक विकास से सम्बन्धित क्षण प्रतिक्षण का विस्तृत लेखा-जोखा तैयार किया तथा इस लेख-जोखे के आधार पर उन्होंने विकासात्मक मनोविज्ञान के क्षेत्र में अनेक पुस्तकों तथा लेखों को प्रकाशित किया। संज्ञानात्मक विकास के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए जीन पियाजे का 16 सितम्बर सन 1980 को निधन हो गया।

संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त की अवधारणा (Concept of Theory of Cognitive Development)

जीन पियाजे को 'विकासात्मक मनोविज्ञान' का प्रेरक माना जाता है। पियाजे ने संज्ञानात्मकता पर बल दिया और 'संज्ञानवादी विकास सिद्धान्त' का प्रतिपादन किया। पियाजे द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त (Theory of Cognitive Development) मानव बुद्धि की प्रकृति एवं उसके विकास से सम्बन्धित एक विशद सिद्धान्त है। पियाजे का मानना था कि व्यक्ति के विकास में उसका बचपन एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। पियाजे का सिद्धान्त, विकासी अवस्था सिद्धान्त (Developmental Stage Theory) कहलाता है। यह सिद्धान्त ज्ञान की प्रकृति के बारे में यह बतलाता है कि मानव ज्ञानार्जन क्रमशः इसका अर्जन कैसे करता है, कैसे इसे एक-एक कर जोड़ता है तथा कैसे इसका उपयोग करता है। व्यक्ति वातावरण के तत्वों का प्रत्यक्षीकरण करता है, अर्थात् पहचानता है, प्रतीकों की सहायता से उन्हें समझने का प्रयास करता है तथा सम्बन्धित वस्तु / व्यक्ति के संदर्भ में अमूर्त चिन्तन करता है। उक्त सभी प्रक्रियाओं से मिलकर उसके भीतर एक ज्ञान भण्डार या संज्ञानात्मक संरचना उसके व्यवहार को निर्देशित करती हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि कोई भी व्यक्ति वातावरण में उपस्थित किसी भी प्रकार के उद्दीपकों (स्टिमुलेंट्स) से प्रभावित होकर सीधे प्रतिक्रिया नहीं करता है, पहले वह उन उद्दीपकों को पहचानता है, ग्रहण करता है, उसकी व्याख्या करता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि संज्ञानात्मक संरचना वातावरण में उपस्थित उद्दीपकों और व्यवहार के बीच मध्यस्थता का कार्य करता है। पियाजे ने व्यापक स्तर पर संज्ञानात्मक विकास का अध्ययन किया।

पियाजे के अनुसार, बालक द्वारा अर्जित ज्ञान के भण्डार का स्वरूप विकास की प्रत्येक अवस्था में बदलता है और परिमार्जित होता रहता है। पियाजे के संज्ञानात्मक सिद्धान्त को विकासात्मक सिद्धान्त भी कहा जाता है। चूँकि इनके अनुसार, बालक के भीतर संज्ञान का विकास अनेक अवस्थाओं से होकर गुजरता है, इसलिए इसे अवस्था सिद्धान्त भी कहा जाता है।